समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. परामर्श द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2025–2026

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता
एम.एस.डब्ल्यू.–015: परामर्श के मूल तत्व
एम.एस.डब्ल्यू.–016: परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई,2025 सत्र –31 मार्च,2026
जनवरी,2026 सत्र –30 सितम्बर,2026

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य (परामर्श) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (द्वितीय वर्ष)में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।समाज कार्य (परामर्श) कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के समाज कार्य (परामर्श)कार्यक्रम का अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।

- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
  परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए30% भारित देते हैं।**सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

परामर्श के क्षेत्र
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–16
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) दुर्खीम के आत्महत्या सिद्धांत पर चर्चा कीजिए। प्रभावी परामर्श के लिए आत्मघाती व्यवहार के व्यापक मूल्यांकन के महत्व पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

मानसिक स्वास्थ्य के बारे में भारतीय दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। मानसिक स्वास्थ्य अभ्यास के मॉडलों की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। 20

2) भारत में संस्थागत देखभाल में किशोरों के परामर्श के दायरे, महत्व और प्रक्रियाओं पर चर्चा कीजिए। 20

अथवा

कैरियर परामर्श की अवधारणा, सिद्धांतों और प्रक्रियाओं पर चर्चा कीजिए।

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) उपयुक्त उदाहरणों सहित परामर्श के सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। 10

ख) पारिवारिक न्यायालय क्या हैं? भारत में पारिवारिक न्यायालयों की बढ़ती प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। 10

ग) भारत में आत्महत्या के प्रमुख कारणों को सूचीबद्ध कीजिए। 10

घ) घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाष डालिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) निष्क्रिय परिवारों में बच्चों की स्थिति लिखिए। 5

ख) परिवारों और बच्चों के साथ काम करने में परामर्शदाता द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ग) परामर्श परिणामों को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर चर्चा कीजिए। 5

घ) भारत में अस्पताल परामर्श सेवाओं के दायरे की व्याख्या कीजिए। 5

ङ) देखभाल क्या है? देखभाल करने वालों के प्रमुख प्रकारों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

च) धर्मशाला देखभाल क्या है? भारतीय संदर्भ में इसकी उभरती प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) न्यायिक पृथक्करण 4

ख) आध्यात्मिक मूल्यांकन 4

ग) एलिसा 4

घ) संकट परामर्श 4

ङ) सहकर्मी परामर्श 4

च) प्रलाप 4

छ) तनाव निदान 4

ज) जेनोग्राम 4